डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 150 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 15 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

मार्च अंत में लू का अलर्ट

अप्रैल-मई में 20 दिन चलेगी हीट वेव

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मार्च के आखिरी 15 दिनों में अप्रैल जैसी गर्मी पड़ेगी। ज्यादातर प्रदेश के शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। 4 दिन तक लू चलने का भी अलर्ट है। वहीं, अप्रैल-मई में 20 दिन हीट वेव चलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, अबकी बार इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-चंबल सबसे ज्यादा तपेगा।मार्च के पहले पखवाड़े में प्रदेश में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिला। पहले सप्ताह में तेज ठंड पड़ी और भोपाल समेत कई शहरों में रात के टेम्परेचर ने 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। तो इसके बाद गर्मी का असर बढ़ गया। होली के दिन भी गर्मी का असर देखा गया।मौसम विभाग भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, मार्च में बारिश के सामान्य से कम होने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, तापमान के सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। प्रदेश में मार्च से ही हीट वेव यानी लू भी चलेगी।

सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- 15 मार्च के बाद जब शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंचेगा, तब गर्म हवा का असर देखने को मिलेगा। हालांकि, इससे पहले ही खजुराहो, नर्मदापुरम, रतलाम, मंडला समेत कई शहरों में पारा 39 डिग्री के पार पहुंच गया।मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। चूंकि, प्रदेश में अभी पारा 39 डिग्री तक आ चुका है। कई शहरों में तापमान में सामान्य से 3 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में अगले सप्ताह में प्रदेश में लू चलने लगेगी। बता दें कि मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन तक हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

साढ़े तीन माह से राम भरोसे जिले का ड्रग विभाग

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। करीब साढ़े तीन माह से ड्रग विभाग का भगवान ही मालिक है। पहले ही ड्रग विभाग में एक ही इंस्पेक्टर की नियुक्ति है। एक इंस्पेक्टर के भरोसे जिलेभर के मेडिकल स्टोर्स चल रहे हैं। इधर रिश्वत के आरोप में जेपी कुम्हार की विदाई के बाद उज्जैन ड्रग इंस्पेक्टर देशराजसिंह राजपूत को प्रभार दिया गया है। वह भी ज्वाईन कर उज्जैन ही काम कर रहे हैं। करीब साढ़े तीन माह से व्यवस्था गड़बड़ाई हुई है। जिसमें मेडिकल लाईसेंस के सत्यापन, रिन्यूअल सहित कई काम प्रभावित होने से लोग परेशान है।

लोकायुक्त के शिकंजे में फंसने पर पहले ड्रग इंस्पेक्टर गायब, अब उज्जैन वाले को प्रभार

रिश्वत के आरोपी है तत्कालीन ड्रग इंस्पेक्टर...

22 नवंबर को ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुम्हारे के नाम से 26 हजार रुपए की रिश्वत ले रहे केमिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष मनीष चौधरी को लोकायुक्त ने रंगे हाथों धरदबोचा था। उसके बाद ड्रग इंस्पेक्टर कुम्हारे को भी लोकायुक्त ने आरोपी बनाया। इसके बाद से ही वे दफ्तर से एक माह से अधिक समय तक गायब ही रहे। विभाग को भी इसकी जानकारी नहीं थी। नियंत्रक औषधि मुख्यालय भोपाल पत्र भेजा जा चुका था। दरअसल लोकायुक्त कार्रवाई के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय मंदसौर ने प्रकरण को लेकर नियंत्रक औषधि मुख्यालय भोपाल को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्टकी थी। ऐसे में विभाग स्तर पर 3 नामों पर विचार भी किया गया। हालांकि, वर्तमान में उज्जैन ड्रग इंस्पेक्टर को मंदसौर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

पहले ही परेशानी...

मंदसौर, गरोठ, मल्हारगढ़, सीतामऊ व भानपुरा ब्लॉकों में शामिल तहसीलों व ग्राम पंचायतों में संचालित मेडिकल स्टोर्स की मॉनिटरिंग, नए लाइसेंस, अवधि पूरी होने पर रिन्यूअल समेत आवश्यक प्रक्रिया का जिम्मा ड्रग इंस्पेक्टर के पास रहता है। मंदसौर में एकमात्र पद मंजूर है। मतलब साफ है कि पहले ही एक अधिकारी के जिम्मे शहर ही नहीं, जिलेभर के मेडिकल है। पांच साल तक जिले में रहे राजस्थान के बिकानेर निवासी रिश्वत के आरोपी बनाए गए जेपी कुम्हारे आधे समय अपने घर रहते थे। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मेडिकल संचालकों को कितनी परेशानी का सामना लंबे समय से करना पड़ रहा है।

जिले में मेडिकल स्टोर्स की तादाद 900 से ज्यादा है और ड्रग इंस्पेक्टर का केवल 1 ही पद है। ऐसे में साढ़े तीन माह से मेडिकल लाइसेंस, रिन्यूअल, दवाओं के स्टॉक की मानिटरिंग जैसे काम प्रभावित हो रहे हैं। दरअसल लोकायुक्त कार्रवाई के बाद से एकमात्र ड्रग इंस्पेक्टर जेपी कुम्हारे का लंबे समय तक कुछ पता नहीं था। वह करीब एक माह से अधिक समय तक कार्रवाई के बाद दफ्तर नहीं पहुंचे। ऐसे में आवेदन के बाद लाइसेंस सत्यापन, रीन्यूअल समेत जरूरी विभागीय काम प्रभावित होते रहे।

इसके बाद उनको मंदसौर से हटाया गया। जिसकी जगह प्रभार उज्जैन के देशराजसिंह राजपूत को दिया गया। करीब दस दिन पहले उन्होंने जॉइन किया। लेकिन उन पर भी उज्जैन के ड्रग विभाग का जिम्मा है। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त प्रभार की जगह मूल जगह पर काम करना प्राथमिकता बनती है। ऐसे में मंदसौर के काम प्रभावित हो रहे हैं।

धुलेंडी के दूसरे दिन मंदसौर-नीमच के पुलिस वालों ने जमकर खेली होली

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। धुलेंडी के दिन जहां पूरा प्रदेश अपने परिवार के साथ होली का त्योहार मना रहा था। वहीं पुलिस वाले कानून व्यवस्था को लेकर पूरी रात और धुलेंडी को दिनभर सड़कों पर तैनात रहे। हालांकि, शनिवार को दूसरे दिन पुलिस वालों ने होली मनाई। मंदसौर-नीमच में पुलिस वालों ने जमकर रंग गुलाल उड़ाया और डांस कर होली की शुभकामनाएं दी।

मंदसौर में आमजन की होली के बाद शनिवार को पुलिस विभाग ने अपनी होली मनाई। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में सभी थानों के पुलिसकर्मी शामिल हुए। पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे पर रंग-गुलाल लगाया और फिल्मी गीतों पर जमकर नृत्य किया। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने इस मौके पर पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने त्योहार के दौरान मुस्तैदी से कानून व्यवस्था बनाए रखने और ईमानदारी से ड्यूटी निभाने के लिए सभी का धन्यवाद किया। जिले में होली का त्योहार शांति और सद्भाव के साथ संपन्न हुआ। पुलिस लाइन में होली मनाने के बाद पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने थानों में भी होली का त्योहार मनाया।

नीमच : बग्गी में सवार होकर निकले कलेक्टर-पुलिस कप्तान...

नीमच में धुलेंडी के दूसरे दिन शनिवार को पुलिसकर्मियों ने अपने साथियों के साथ धूमधाम के साथ होली मनाई। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा और पुलिस कप्तान अंकित जायसवाल के साथ एएसपी नवल सिंह सिसोदिया बग्गी में सवार होकर शहर के प्रमुख मार्गों से निकले। इस दौरान कलेक्टर श्री चंद्रा और पुलिस कप्तान श्री जायसवाल ने डीजे की धुन पर सड़को पर डांस किया। जुलूस कनावटी स्थित पुलिस लाइन पहुंचा, जहां सभी ने पानी से होली खेली और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

लेटलतीफी: बिल्लौद शिवना नदी पुल के भूमिपूजन को दो साल पूर्ण, लेकिन निर्माण शुरू नहीं, क्षेत्र की जनता में रोष

राजू सोनी

नाहरगढ़, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बिल्लौद-नाहरगढ़ शिवना नदी तट पर वर्ष 2023 विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के पूर्व नवीन पूल के निर्माण हेतु भूमिपूजन सुवासरा विधानसभा से पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, तथा मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक वित्त मंत्री वर्तमान में उप मुख्यमंत्री ने किया था।

करीब 13 करोड़ रूपए से बनने वाले नवीन पुल का लाभ मल्हारगढ़ तथा सुवासरा दोनों विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ो गांव ओर मार्ग को जोड़ने वाली शिवना नदी पर बना पुल वर्तमान में सुविधा युक्त नहीं हैं। भूमिपूजन के बाद भी आज तक इस पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। पुल बनाने की जिम्मेदारी सेतु निगम के पास हैं। पर अभी तक निर्माण कार्य जैसी कोई स्थिति दिखाई नहीं देरही है।

बारिश के सीजन में डूब जाता है पुराना पुल, कई लोग पुल पार करते समय हो चुके है मौत शिकार...

बता दे की पिछली बारिश में पुल पार करते समय एक बच्ची सहित परिवार के तीन सदस्य मृत्यु हो चुकी थी। इनको बचाने गया नाहरगढ़ निवासी भी जीवित नहीं लौटा था। इससे पूर्व भी कई छोटी बड़ी दुर्घटनाएं इस नदी पर हो चुकी है। कई लोग जान के शिकार भी हुवे, जब नदी में पानी का अधिक बहाव आता है, तो पुराना पुल पूरी तरह से डूब जाता है। उस वक्त इस मार्ग से वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बाधित होता है। बता दें कि पुल से होकर जिला मुख्यालय सहित कई स्थानों के लिए सवारी वाहनों की आवाजाही रहती है। वाहन चालक पुल से होकर बड़ी सावधानी से वाहन निकालते हैं। क्योंकि, चालकों को खतरा रहता है कि जर्जर पुल पर कहीं हादसा न हो जाए। अगर जल्द ही नया पुल नहीं बनता है तो यहां कभी भी भीषण हादसा होने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

गर्मी के मौसम ने दी दस्तक, आखिर कब होगा निर्माण कार्य शुरू...

मार्च का महीना आधा पूर्ण होने को आया, गर्मी ने पूरी तरह दस्तक देना शुरू कर दी है। बारिश के लिए तीन महीने और शेष हैं। शिवना नदी में पानी भी ना के बराबर हैं। और कितना समय पुल निर्माण कार्य शुरू होने में लगेगा! जुलाई और अगस्त मध्य प्रदेश में वर्षा ऋतु के सबसे व्यस्त महीने होते हैं। इस दौरान आमतौर पर राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश होती है। नदी, डेम में पानी आना शुरू हो जाता हैं। नदी की लंबाई अधिक होने के कारण क्या इस वर्ष भी पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सकेगा। या फिर नेताओं के जुबान तथा कागजों में पुल का निर्माण कार्य चलता रहेगा?

मंडी में आतंक का पर्याय बनी मुल्तानी गैंग अब हिंदू महिलाओं को भी बना रही शिकार..?

परिजनों का आरोप- शादी शुदा महिला को अगवा कर ले गया मुल्तानी

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर की कृषि उपज मंडी में वैसे तो मुल्तानी गैंग आतंक का पर्याय बनी हुई है। इस गैंग को मंडी कर्मचारियो, अधिकारियो का संरक्षण होने का आरोप भी लगता रहा है। इस बार हैरतअंगेज जानकारी सामने आई है कि मुल्तानी गैंग के एक युवक ने मंडी में मजदूरी करने जाने वाली एक शादी शुदा महिला का अपहरण कर लिया है। इस मामले को 05 दिन बीतने के बाद भी पुलिस शांत बैठी है। युवती की तलाश में कोई उचित कदम उठाया हो, यह दिखाई नहीं दे रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार शहर की एक युवती का विवाह नीमच के प्रकाश पड़ियार के साथ हुआ था। विवाह के बाद पति, ससुर अक्सर रेखा के साथ गाली गलोच करता था और मारपीट जैसी घटना भी होती थी। रेखा का एक 4 वर्ष का बेटा भी हैं। घरेलु विवादों के कारण रेखा का भाई अपनी बहन क़ो अपने साथ मंदसौर ले आया था। उसकी यह सोच थी कि 2-3 माह यहां रहेगी तो सब विवाद शांत हो जाएंगे। इस दरमियान रेखा अपनी माता के साथ कभी- कभी कृषि उपज मंडी में मजदूरी का काम करने भी जाती थी। 11 फ़रवरी क़ी शाम रेखा घर पर अपनी भाभी क़ो यह बोलकर गई क़ी में बालाजी मंदिर दीपक लगाने जा रही हूं। ज़ब रेखा का भाई घर पर आकर उसकी पत्नी से पूछता हैं कि रेखा कहां गई तो उसकी पत्नी ने कहा कि अभी मंदिर का कहकर ... **शेष पेज 4 पर**

दशपुर में जमकर उड़ा रंग-गुलाल

होली के रंग में रंगीन हुआ शहर का आसमान

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में शुक्रवार को धुलेंडी का पर्व उत्साह से मनाया गया। हर्ष उल्लास के बीच हर कोई रंग-गुलाल उड़ाता दिखा। ढोल की थाप पर व डीजे की धुन पर बचें हो या युवा, युवतियां हो या महिलाएं सभी के कदम थिरकने को मजबूर हुए।

शहर में गणपति चौक से रंगारंग गेर निकाली, जो शहर के प्रमुख मार्गो से होकर बस स्टेंड पहुंची। गैर में बैंड- बाजे, डीजे, ढोल, तोप, फायर फाइटर के संग युवाओं की टोली चल रही थी। आजाद चौक पर पहुंचते ही युवाओं ने जमकर होली खेली। सभी ने पहले एक-दूसरे को रंग- गुलाल लगाकर होली की बधाईयां दी। बाद में ढोल की थाप पर नाचते-गाते होली का आनंद लिया। गैर का समापन बड़ेबालाजी मंदिर परिसर में हुआ। जगह-जगह कई संस्थाओं द्वारा गैर का स्वागत किया गया। शहर के गांधी चौराहे पर भी लोगों ने एक- दूसरे को रंग लगाया।

सबसे ज्यादा उत्साह बच्चो व युवतियो में देखा गया। बच्चे सुबह से ही होली के रंग में नजर आने लगे। गली हो या चौराहा, कॉलोनी हो या मैदान हर जगह बच्चे हंसी- ठिठौली करते हुए एक-दूसरे को रंगते हुए दिखे। सभी ने तरह-तरह की पिचकारियों के साथ खूब होली खेली। वहीं युवक व युवतियों ने भी अपने- अपने ग्रुप के सदस्यों के साथ जमकर होली खेली। शहर के कई स्थानों पर युवाओं ने डीजे लगाकर नृत्य करते हुए एक-दूसरे को गुलाल लगाया।

इस साल से बदला धुलेंडी का रूप...

इस साल से धुलेंडी का रूप भी बदला सा नजर आया। अभी तक यह होता था कि दोपहर 01 बजे तक होली का माहौल थम जाता था। लेकिन, इस बार ऐसा लगा कि प्रशासन ने गणपति चौक से शुरु होने वाली गैर को भले ही 12.30 बजे तक अपने मुकाम पर पहुंचा दिया। लेकिन, वास्तविक रूप में होली दोपहर 01 बजे बाद परवान चढ़ी। गली – मोहल्ले हो या मित्र मंडली के साथ होली का आनंद लेना हो, एकाएक दोपहर 01 बजे बाद शहर में होली का माहौल दिखाई दिया। आमजन में भी यही चर्चा रही कि इस बार होली पर बहुत ही अच्छा माहौल रहा।

सभी तरफ थी पुलिस की नजर...

धुलेंडी पर शहर में चौराहे-चौराहे व हर गली-मोहल्ले में पुलिस जवान तैनात रहे। जगह-जगह पुलिस का मोबाइल वाहन भ्रमण करता रहा। पुलिस के अधिकारियों से लेकर छोटे पुलिसकर्मी तक दिन भर पेट्रोलिंग करते रहे। इसके साथ ही पुलिस ने संवेदनशील वाले इलाकों पर ड्रोन कैमरों से नजर भी रखी।

रंग पंचमी पर बंद रहेंगे स्कूल, बैंक और सरकारी कार्यालय

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। वर्ष 2025 का मार्च महीना हर किसी के लिए खास होने वाला है। होली की छुट्टियों के बाद अब मध्य प्रदेश शासन ने 19 मार्च की भी छुट्टी की घोषणा की है। तीज त्योहार के इस महीने अब 19 मार्च को भी स्कूल, कॉलेज, बैंक और सरकारी कार्यालयों में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है। यानी इस दिन शैक्षणिक संस्थानों के साथ ही सरकारी कार्यालय और बैंक भी पूरी तरह से बंद रहेंगे। बता दें कि 19 मार्च को प्रदेश भर में रंगपंचमी का पर्व मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल, आर्थिक राजधानी इंदौर और उज्जैन, मंदसौर में ये पर्व मनाया जाता है। इंदौर में गेर के नाम से रंगपंचमी का उत्सव मनाया जाता है। यहां घरों से निकलकर लोग सड़कों पर आ जाते हैं और होली खेलते हैं।शहर के ज्यादातर रास्तों में वाहनों की एंट्री बंद रहती है। वहीं उज्जैन में महाकाल परिसर के साथ ही लोग अपने-अपने घरों में होली खेलते हैं। मंदसौर व रतलाम में भी यही हाल रहता है।

अमेरिका को छोटे राष्ट्र आंखे दिखा रहे हैं, भारत क्यों दबाव सहता जा रहा है...

मंदसौर/उज्जैन, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आजादी के समय जरूर भारत- पाकिस्तान बंटवारे के बाद भारत की हालत प्रत्येक क्षेत्र में खराब थी। राजतंत्र और अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त होकर भारत एक लोकतांत्रिक गुट निरपेक्ष देश बन चुका था। तब की सरकार ने राष्ट्रभक्ति के जज्बे से काम करते हुए देश को प्रगतिशील बनाया था। जबकि, तकनीकी संसाधनों की कमी थी। कई मामलों में तो दूसरे देशों के भरोसे देश को चलाया जा रहा था। धीरे-धीरे प्रगति होती गई और उद्योगों की शिक्षण संस्थानों की स्थापना के साथ कृषि जगत में भी उन्नत होने के कारण प्रगतिशील देश से स्पर्धा होने लगी थी। तब देश के पास धन कम था, संसाधन कम थे, तकनीक का अभाव था। तकनीकी विषयों के शिक्षित प्रशिक्षितों का भी अभाव था। पर तब भी देश की साख विश्व भर में सम्मानजनक स्थान पा लेती थी। आज आजाद भारत के पुरखों की प्रगति की तैयारी जैसे सब कुछ होते हुए भी विश्वस्तर पर अनेक क्षेत्र में हमारी साख बढ़ने की बजाय सभी क्षेत्रों में घटती क्यों जा रही है?

चन्द्रमोहन भगत

जानकारों की माने तो अब दशक लग जाएंगे, देश को वैश्विक स्तर पर पहले की तरह साख स्थापित करने में। इसका एकमात्र कारण है कि हमारे देश के आधुनिक और उत्तरोत्तर शिक्षित होते जा रहे भारत के राजनेताओं ने ही अपनी प्रगति की प्रणाली के मापदंडों को बदलकर वैश्विक स्तर पर आगे निकलने के लिए शैखीबाज बनाकर सभी क्षेत्रों में देश की साख गिरने जैसे कामों और आचरण को अपनाया हुआ है। नतीजा सार्वजनिक है और देशवासियों के साथ पूरा विश्व देख रहा है। देश को अपमानित करने वाले दृश्यों का प्रकटीकरण संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बनने के बाद से लगातार देखने को मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय विषय के जानकार पत्रकारों और समीक्षको की इस विषय पर स्पष्ट राय है कि अमेरिकी सरकार जानकर भारत सरकार की आलोचना कर दबाव बनाती नजर आ रही है। इन सभी की यह राय भी सार्वजनिक है कि भारत एक प्रगतिशील 143 करोड़ की आबादी वाला बड़ा गुटनिरपेक्ष राष्ट्र है। अत: भारत सरकार को भी कड़ा रुख अपना कर अमेरिकी प्रशासन का प्रतिरोध करना चाहिए। भारत अमेरिका व्यापार संबंधों को लेकर अमेरिकी उपकरणों पर भारत सरकार द्वारा आयात करो में दी गई अत्यधिक छूट, जिससे भारत का सरकारी खजाना आहत होगा। बावजूद इसके भारत से दोयम दर्जे का व्यवहार भारतीयों को अपने देश का अपमान सा लग रहा है। इसके सार्वजनिक उदाहरण है प्रवासी भारतीयों को मालवाहक हवाई जहाज में बेडियो से बांधकर ठूंस कर भेजना। सिखों की पगड़िया उतार कर कचरे में फेंक देना जैसा अमानवीय व्यवहार किया गया। जबकि छोटे से पड़ोसी देश नेपाल के प्रवासी नागरिकों को चार्टर हवाई जहाज से लाया गया। इसी तरह सवा दो करोड़ की जनसंख्या वाले वेनेजुएला, 5 करोड़ वाले कोलंबिया, 4.1 करोड़ वाले कनाडा और 13 करोड़ की जनसंख्या वाले मैक्सिको जैसे देशों की सरकार ने अपने नागरिकों को अमेरिकी विमान से भेजने पर ही सख्त आपत्ति दर्ज कर दी थी। कोलंबिया ने तो भेजा हुआ विमान अपने देश में उतरते ही नहीं दिया था, बाद में अपने देश का विमान भेज अपने देश वासियों को ससम्मान वापस लाया गया था।

इसी कारण वैश्विक चर्चा है कि भारत जैसे गणतंत्र की क्या मजबूरी है इतना अपमान सहने की ! ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया भर के राष्ट्र अध्यक्षों के व्हाइट हाउस पहुंचने पर भी यूक्रेन, इसराइल, जापान, जार्डन के राष्ट्र प्रमुखों को मुख्य प्रवेश द्वार तक लेने खुद ट्रंप उपस्थित था। जबकि, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महिला कर्मचारी लेने पहुंची थी। इस तरह के समाचारों और वीडियो से हर भारतवासी का सम्मान आहत हो रहा है। यहां तक की विपक्ष भी संसद में कह चुका है कि मोदी सरकार अमेरिका को प्रतिकूल जवाब दे, देश के सम्मान को बनाए रखने के लिए हम सरकार के साथ है। सरकार की ओर से अभी तक ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है। जबकि, यूरोपीय संघ के छोटे-छोटे देशों ने ट्रंप की नीतियों का खुलकर इतनी दमदारी से विरोध दर्शाया है कि उनके प्रति ट्रंप फिलहाल सुरक्षात्मक रवैया अपनाए नजर आ रहे हैं।

विचार-मंथन

अब सीपीसीबी ने रपट में किया सुधार...

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र के पानी में प्रदूषण का तथ्य उजागर कर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी ने खासा विवाद पैदा कर दिया था। पर, अब अपनी नई रपट में उसने स्पष्ट किया है कि वहां का पानी स्नान करने लायक था। चूंकि अलग-अलग जगहों से जल के नमूने लिए गए थे, इसलिए उनमें अलग-अलग तथ्य दर्ज हुए थे, मगर इससे पूरी नदी के पानी में अपशिष्ट की मात्रा का दावा नहीं किया जा सकता। रपट में कहा गया है कि, सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार, जांचे गए खंडों के लिए पीएच, डीओ, बीओडी और एफसी का औसत परिमाण संबंधित मानदंडों/ अनुमेय सीमाओं के भीतर है। यह रपट 12 जनवरी से 22 फरवरी के बीच इकट्ठा किए गए आंकड़ों का समग्र विश्लेषण करने के बाद पेश की गई है। इसी अवधि में सभी प्रमुख स्नान हुए थे। सीपीसीबी ने 17 फरवरी को पेश अपनी रपट में बताया था कि संगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर फीकल कोलीफार्म का स्तर स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के अनुरूप नहीं था। इस रपट के आधार पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जवाब तलब किया था। तब राज्य सरकार को सफाई देनी पड़ी थी कि उसने गंगा और यमुना के जलशोधन के लिए क्या-क्या उपाय किए हैं और वहां पानी पूरी तरह स्नान के लायक है। बाद में एक वैज्ञानिक ने भी कहा कि पूरे महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र का पानी पीने लायक था। इस बार प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ को इसलिए विशेष माना गया था कि इसे एक सौ चौवालीस वर्ष बाद आया अवसर बताया गया। इसीलिए केंद्र और राज्य सरकारों ने इसके आयोजन का बढ़-चढ़ कर प्रचार-प्रसार किया था। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए हर व्यवस्था करने की कोशिश की गई थी। संगम क्षेत्र में पहुंचने वाले गंगा और यमुना के जल को हर दिन जांचने का प्रबंध भी किया गया था, ताकि उसमें किसी तरह की ऐसी अशुद्धि न घुल सके, जिससे लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचता हो। ऐसे में जब सीपीसीबी ने संगम क्षेत्र के पानी में फीकल कोलीफार्म यानी मानव जल-मल से पैदा बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक होने का तथ्य उजागर किया, तो लोगों की आस्था पर चोट का प्रश्न उठ खड़ा हुआ था। दरअसल, महाकुंभ के दौरान लोग आचमन भी करते हैं, वहां का पानी भर कर अपने घर लाते हैं। इस बैक्टीरिया से लोगों में गंभीर त्वचा रोग और दूसरी बीमारियां पनपने की आशंका पैदा हो गई थी। यह समझना मुश्किल है कि अब सीपीसीबी को अपने पिछले अध्ययन को दुरुस्त करने का कौन-सा सूत्र हाथ लगा है, जो उस वक्त उसके पास नहीं था। गनीमत है कि उसकी पहली रपट का श्रद्धालुओं पर कोई व्यापक और गंभीर असर नहीं पड़ा था, वरना इससे बेवजह विवाद के तूल पकड़ने का खतरा तो पैदा हो ही गया था। आखिर इसकी जवाबदेही किसकी मानी जाए, कि एक रपट के जरिए पहले संशय पैदा करने की कोशिश की गई, फिर महाकुंभ खत्म हो जाने के बाद उसे दुरुस्त कर दिया गया। हालांकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने अभी इस प्रकरण को बंद नहीं किया है। इस पर सुनवाई होनी है। इसलिए उम्मीद की जाती है कि इस संशय का निवारण किया जाएगा कि आखिर सीपीसीबी की कौन-सी रपट सही है, पहले वाली या बाद की।

बलूच लड़ाके बने पाकिस्तान के लिए मुसीबत...

पवन उप्रेती

पाकिस्तान में मुसाफिरों से भरी जफर एक्सप्रेस ट्रेन को मंगलवार को हाईजैक कर लिया गया है। ट्रेन को हाईजैक करने की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। इसके बाद एक बार फिर न सिर्फ पाकिस्तान बल्कि भारत और दुनिया के तमाम मुल्कों में बलूच विद्रोहियों या बलूच लड़ाकों का नाम मीडिया और सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है। भारत में इससे पहले अगस्त, 2016 में बलूचिस्तान का मुद्दा जोरदार ढंग से चर्चा में आया था और तब इसकी वजह यह थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त के मौके पर लाल किले से दिए अपने भाषण में बलूच लोगों पर पाकिस्तान के अत्याचारों का जिक्र किया था। तब प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर पाकिस्तान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी जबकि बलूचिस्तान के नेताओं ने इस मुद्दे को उठाने के लिए मोदी को धन्यवाद दिया था। पाकिस्तान में ट्रेन हाईजैक की इस घटना के बाद ऐसे ढेर सारे सवालों के लोग जवाब जानना चाहते हैं कि यह बलूच लड़ाके कौन हैं, उनकी क्या मांग है, वे कब से लड़ाई लड़ रहे हैं? यह भी जानना जरूरी होगा कि बलूचिस्तान की आजादी की मांग क्यों की जा रही है? पाकिस्तान में क्षेत्रफल के लिहाज से बलूचिस्तान सबसे बड़ा सूबा है लेकिन यहां आबादी कम है और बाकी प्रांतों के मुकाबले यहां के लोग गरीब हैं। यहां रोजगार के मौके भी बहुत कम हैं लेकिन प्राकृतिक संसाधन विशेषकर तेल यहां बहुत ज्यादा है और इसलिए यह सूबा

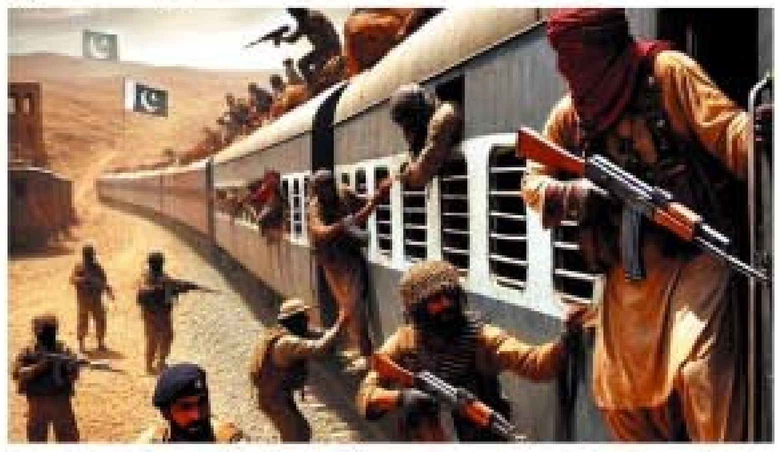

पाकिस्तान के लिए बेहद अहम है। 1947 में भारत के विभाजन के बाद जब पाकिस्तान बना तभी से बलूचिस्तान के लोगों ने पाकिस्तानी आर्मी और हुकूमत के द्वारा की जा रही हिंसा, कत्लेआम और उनकी आवाज को दबाने के लिए की गई कार्रवाइयों को देखा है। 1947 से पहले बलूचिस्तान में मकरान, लस बेला, खारन और कलात इलाकों के सरदार शामिल थे। ये सभी ब्रिटिश हुकूमत के प्रति वफादार थे। इन सभी में कलात का सरदार सबसे शक्तिशाली था और बाकी इलाकों के सरदार उसके अधीन थे। जब भारत से ब्रिटिश शासन का अंत होने वाला था तब कलात के अंतिम 'खान' सरदार अहमद यार खान ने एक स्वतंत्र बलूच राष्ट्र की मांग को उठाया। अहमद यार खान ऐसा मानते थे कि उनके और मोहम्मद अली जिन्ना के संबंध बेहद अच्छे हैं और इस वजह से उन्हें पाकिस्तान में शामिल करने के बजाए एक अलग देश की मान्यता मिलेगी। 1947 में पाकिस्तान ने उनके साथ एक मैत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि अंग्रेज चाहते थे कि कलात का पाकिस्तान में विलय हो जाए। अक्टूबर, 1947 में पाकिस्तान ने एक चतुराई भरा खेल खेला और कलात का पाकिस्तान में विलय करने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। 17 मार्च, 1948 को पाकिस्तान की सरकार ने कलात के तीन इलाकों को अपने साथ शामिल कर लिया। इसी दौरान ऑल इंडिया रेडियो पर यह अफवाह फैल गई थी कि कलात के खान भारत में विलय करना चाहते हैं। इस वजह से 26 मार्च, 1948 को पाकिस्तान की सेना बलूचिस्तान में घुस गई और इसके अगले दिन कलात के विलय के समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए गए। लेकिन इस विलय के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। बलूचिस्तान की आजादी के लिए अब तक पांच युद्ध (1948, 1958-59, 1962-63, 1973-1977 और 2003 से जारी) लड़े गए हैं, जिनमें से पहला युद्ध 1948 में शुरू हो गया था। पाकिस्तान की सेना के लिए बलूच विद्रोहियों से निपटना बेहद मुश्किल साबित हुआ है। पाकिस्तान की सेना और वहां की हुकूमत ने बलूच विद्रोहियों का निर्दयता से दमन किया है, इस तरह के आरोप अलग बलूचिस्तान की मांग करने वाले लोगों की तरफ से लगातार लगाए जाते हैं। पाकिस्तान की सेना पर बलूचिस्तान के लोगों का अपहरण करने, उन पर अत्याचार करने, मनमानी गिरफ्तारी करने और हत्याओं तक को अंजाम देने के आरोप लगे हैं। इस बारे में कोई सटीक आंकड़ा नहीं है कि 1948 से अब तक पाकिस्तान की सेना ने बलूचिस्तान के कितने नागरिकों को मारा है। लेकिन एनजीए के मुताबिक, 2001 और 2017 के बीच लगभग 5,228 बलूच नागरिक लापता हो गए और यह मान लिया गया है कि वे अब जिंदा नहीं हैं। पाकिस्तान की सेना की हिंसा के जवाब में बलूचिस्तान की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने भी हिंसा का सहारा लिया है। उन पर ऐसा आरोप लगता है कि उन्होंने गैर-बलूच लोगों की हत्याएं की हैं और बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों का उल्लंघन किया है। इस्लामाबाद के एनजीओ की ओर से जारी एक रिपोर्ट 'में कहा गया है, 'बलूच विद्रोही गुटों, मुख्य रूप से बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने 2023 में बलूचिस्तान में 78 हमले किए, जिसमें 86 लोग मारे गए और 137 लोग घायल हुए। ये हमले मुख्य रूप से बलूचिस्तान के मध्य, दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों के 19 जिलों में हुए और इनमें बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया।' एक सवाल यह भी खड़ा होता है कि बलूचिस्तान की अलग मांग को किस वजह से समर्थन मिला। इसके पीछे दो बातें सामने आती हैं। पहला भेदभाव होना। बलूचिस्तान के लोगों का इतिहास, भाषा और संस्कृति एक जैसी है लेकिन यह बात कही जाती है कि पाकिस्तान बनने के बाद से ही वहां सिर्फ पंजाब के लोगों का दबदबा है। पंजाब के लोगों का पाकिस्तान की नौकरशाही, सारे संस्थानों पर जबरदस्त कब्जा रहा है। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम में भी पंजाबियों का दबदबा है और इस वजह से बलूचिस्तान के लोग ऐसा महसूस करते हैं कि उनके साथ भेदभाव हुआ है। दूसरी वजह है कि बलूचिस्तान के लोग मानते हैं कि उनके संसाधनों पर कब्जा हो रहा है और उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। बलूचिस्तान का इलाका प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है और यह ईरान और अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर स्थित है और इसलिए भी यह पाकिस्तान के लिए रणनीतिक लिहाज से अहम है लेकिन पाकिस्तान के बाकी हिस्सों की तुलना में यहां के लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं। इस वजह से बलूचिस्तान के लोगों के मन में यह बात बैठ गई है कि पाकिस्तान में उनके साथ नाइंसाफी हो रही है और उन्हें अलग देश दिया जाना चाहिए।

क्या नेपाल में राजतंत्र की हो सकती है वापसी?

सुरेन्द्र फुयाल

भारी उथल-पुथल से मायूसी: काठमांडू में बहुत कुछ बदल चुका है। 1996 से 2006 तक चले माओवादी विद्रोह सहित कई राजनीतिक उथल-पुथल हुए। जिसमें लगभग 17 हजार से अधिक लोगों की जान चली गई। दिल्ली की कड़ी आपत्तियों के बावजूद लागू किए गए नए 2015 संविधान ने नेपाल को एक राजाविहीन गणराज्य में बदल दिया। 28 मई 2008 को संविधान सभा की पहली बैठक में अपदस्थ किए गए पूर्व सम्राट ने राष्ट्र के नाम अपना वार्षिक संदेश जारी करने का अवसर मिला था। मानो वे अभी भी एक शासक हों। इस वर्ष 18 फरवरी को, उन्होंने जोर देकर कहा कि समय आ गया है कि उनका समर्थन किया जाए ताकि राष्ट्र को एकता, शांति और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाया जा सके। ज्ञानेंद्र का जोरदार स्वागत: राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और आरपीपी नेपाल जैसी हिंदू समर्थक राजशाही पार्टियों और राजशाही समर्थक बड़ी संख्या में काठमांडू हवाई अड्डे के बाहर ज्ञानेंद्र का स्वागत करने पहुंचे थे। भले ही उनकी पिछली अलोकप्रियता 2002 के बाद उनके निरंकुश कदमों से उपजी थी। विश्लेषकों का कहना है कि इन कदमों के कारण अंततः कुछ ही वर्षों बाद राजशाही का अंत हो गया। जो भी हो, बड़ा सवाल यह है कि, क्या नेपाली लोग हिंदू राजतंत्र को हटाए जाने के 16 साल से भी ज्यादा समय बाद, अपने गणतंत्र में हिंदू राजतंत्र को जगह दे पाएंगे? क्या उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत नेपाल और भारत में हिंदू समर्थक पार्टियों का आशीर्वाद नेपाली राजतंत्रवादियों के पक्ष में काम कर सकता है? ओली को चुनाव लड़ने की सलाह: इस संभावना को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली समेत नेपाली राजनेता नाराज हैं। उन्होंने पूर्व राजा को सुझाव दिया है कि अगर वह राजनीति में शामिल होना चाहते हैं तो उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए। ओली ने रविवार को काठमांडू में उमड़ी भीड़ के बीच सुदूरपश्चिम प्रांत विधानसभा की बैठक में कहा, देश को क्या हो गया है कि उन्हें हस्तक्षेप करना पड़ रहा है? इस तरह की गतिविधि अस्थिरता को आमंत्रित करेगी। उनके द्वारा प्रेरित गतिविधियां देश को अराजकता के कगार पर धकेल रही हैं। भाई भतीजावाद के आरोप: ओली के राजनीतिक विरोधी राजशाही समर्थक ताकतों से जुड़े हैं और वे इसे खारिज

करते हैं। वे उन पर और नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-माओवादी सेंटर के पुष्प कमल दहल प्रचंड जैसे अन्य शीर्ष नेताओं पर बढ़ते भ्रष्टाचार, क्रोनी कैपिटलिज्म, भाई-भतीजावाद और नेपाली युवाओं के विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में लगातार पलायन जैसी बुराइयों के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाते हैं। आरपीपी के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन रिपब्लिकन व्यवस्था में राजनेताओं को अंततः उस बात पर सहमत होने के लिए मजबूर करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, जिसे पार्टी सभी राजनीतिक ताकतों के बीच संवैधानिक राजतंत्र को बहाल करने के लिए नई समझ कहती है। उन्होंने इस सप्ताह चेतावनी दी, यदि सत्तारूढ़ दल नई समझ पर काम करने के लिए सहमत होते हैं, तो यह ठीक है। अन्यथा सार्वजनिक विद्रोह बढ़ेगा और संवैधानिक राजतंत्र को बहाल करने में सफल होगा। प्रमुख पार्टियों के नेता, जिन्होंने हाल ही में बारी-बारी से सरकारें संभाली हैं, अभी तैयार नहीं दिखते हैं। नेपाली कांग्रेस के एक नेता कृष्ण प्रसाद सितौला, जिन्होंने जून 2008 में अपदस्थ राजा ज्ञानेंद्र से चुपचाप महल खाली करने का आग्रह किया था, ने इस सप्ताह तर्क दिया कि उनके पास फिर से महल में लौटने की ताकत नहीं है। पूर्व माओवादी विद्रोही नेता बाबूराम भट्टराई, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से ज्ञानेंद्र पर 1 जून, 2001 को नारायणहिटी महल हत्याकांड के पीछे संदिग्ध होने का आरोप लगाया है, वे भी इसे खारिज करते हैं। उन्होंने राजशाही के पक्ष में बल प्रदर्शन की तुलना बकरी की हत्या के बाद उसकी पूंछ के फड़फड़ाने से की। वरिष्ठ अधिवक्ता हरि उप्रेती के अनुसार, नेपाल के 2015 के संविधान में ऐसी संभावना के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, अगर राजशाही को वापस लाना है, तो हमें एक नए संविधान की आवश्यकता होगी, जो राजशाही की वापसी के लिए एक और बड़े विद्रोह की स्थिति में ही संभव होगा।

भूकंप का घातक प्रहार झेलने के लिए हम कितने तैयार

चीन में आए भूकंप की वजह से 60 से ज्यादा लोगों की मौत बहुत दुखद है और इससे भूकंप के मामलों में हमारी लाचारी का भी पता चलता है। यह भूकंप एक बार फिर संवेदनशील माने जाने वाले देशों के लिए चेतावनी है। भूकंप के जोखिम और उससे जुड़े तमाम इंतजामों को फिर परख लेना समय की मांग है। यह बात हम ठीक से जानते हैं कि भारतीय भूभाग का 59 प्रतिशत हिस्सा भूकंप की दृष्टि से ज्यादा संवेदनशील है। भूगर्भीय प्लेट की वजह से ही भूकंप आते हैं और हिमालय खास तौर पर संवेदनशील है। साल 1975 से अब तक अगर देखें, तो छह मैग्नीट्यूड या उससे ऊपर के आठ भूकंप आ चुके हैं। इनमें से कच्छ का भूकंप 6.9 मैग्नीट्यूड का था। पांच दशक के समय में ही आठ बड़े भूकंपों ने लोगों की चिंता बढ़ा रखी है। कुछ चिंताएं हैं, क्या भूकंप सुबह के समय ज्यादा आते हैं? क्या ठंड के दिनों में ज्यादा आते हैं? वैसे भूकंप का कोई तय समय या मौसम नहीं है, फिर भी यह ध्यान आता है कि भुज का भूकंप 26 जनवरी, 2001 को आया था, तो बिहार-नेपाल में 1934 का खतरनाक भूकंप 15 जनवरी को आया था। वैसे, सावधान रहना चाहिए कि भूकंप कभी भी आ सकता है। बड़ा सवाल यह है कि नुकसान कितना होगा? नुकसान से जुड़ा एक अध्ययन साल 2013 में ही बिहार में किया गया था। यह जानने की कोशिश की गई थी कि साल 1934 में बिहार-नेपाल में 8.4 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया था, वैसा ही भूकंप अगर फिर आए, तो क्या होगा? अध्ययन में देखा गया था कि अगर रात के समय भूकंप आता है, तो कितना नुकसान होगा और दिन में आया भूकंप कितना घातक होगा? दस करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले बिहार में अगर रात के समय भूकंप आता है, तो दो लाख 22 हजार से ज्यादा मौत का अनुमान है। यही अगर दिन में आए, तो 72 हजार से ज्यादा मौतें हो सकती हैं। अब सवाल है कि हम बचाव के लिए क्या करें? वास्तव में, आज अपने घरों और भवनों को भूकंप सहने लायक बनाने की जरूरत सबसे बड़ी है। पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन हुए हैं, भूकंपरोधी निर्माण के मापदंड बने हैं, पर क्या उनकी पालना हो रही है? यह केवल सरकारों को ही नहीं, बल्कि आम लोगों को भी सोचना चाहिए। एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या हम समय पूर्व चेतावनी का कोई तंत्र बना सकते हैं? भूकंप से जो ऊर्जा पैदा होती है, वह विभिन्न लहरों या वेव के माध्यम से विभिन्न जगह पहुंचती है। मुख्य लहर को हम प्राथमिक या प्राइमरी लहर और द्वितीय या सेकेंडरी लहर के नाम से जानते हैं। इन लहरों के समय में अंतर होता है। इस अंतर को ध्यान में रखकर हम चेतावनी जारी कर सकते हैं। जब कोई भूकंप होता है, तो प्राइमरी लहर बहुत जल्दी आती है, उसकी गति ज्यादा होती है, जबकि सेकेंडरी लहर कुछ देर से आती है, इसकी गति कुछ धीमी होती है। प्राइमरी लहर जब आती है, तब एक धक्का सा महसूस होता है। सेकेंडरी लहर से भूमि में कंपन होता है, वह ऊपर-नीचे होने लगती है। अगर घर या भवन मजबूती से न खड़े हों, तो सेकेंडरी लहर में गिर जाते हैं। अगर भूकंप की पहली लहर के आते ही अगर लोगों को सूचित कर दिया जाए, तो जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है। यहां यह महत्वपूर्ण है कि आप भूकंप के केंद्र से कितनी दूर हैं, उसी हिसाब से आप तक चेतावनी को पहुंचाया जा सकता है। आप भूकंप के केंद्र से दूर हैं, तो फिर प्राइमरी वेव के बाद आपके पास कुछ सेकंड या मिनट भर का समय रहता है, जब आप बचाव कर सकते हैं। प्राइमरी वेव के बाद मेट्रो परिचालन को तत्काल रोका जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5536

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5535

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5536

संकेत: बाएं से दाएं

1. 3 जून 1918 को मध्यप्रदेश में यहां गांधीजी की अध्यक्षता में हिंदी साहित्य सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें यहीं प्रस्ताव द्वारा हिंदी राजभाषा मानी गई (3)
4. ये यूनानी दार्शनिक जो प्लेटो के गुरु थे (4)
8. पाले की चौड़ाई में विभाग, खांच (3)
9. दस पत्तियों वाली ठोंठे की चौकोर कंघी, अरहर के डंठलों की झाड़ू (4)
10. मनोयोग से काम में लगा हुआ (2)
11. जो रिश्ते में पिता का पिता हो (2)
12. महफ़िल, महल, इमारत (4)
14. एक भूमिगत तना जो औषधि और मसालों में प्रयुक्त होता है (4)
16. फूलना, फूला देना (4)
17. कुल, सारा, समस्त (3)
18. यह द्वैत का सारथि था कहते हैं राम रावण के युद्ध में यही श्रीराम का सारथि था (3)
19. यह जंबू द्वीप के अरबखंड में स्थित एक देश जो 1971 में स्वतंत्र हुआ (4)
20. विश्व की एक मात्र फिल्म जो एक पात्रीय थी (2)

ऊपर से नीचे

1. मना या वर्जित करने का भाव (3)
2. धन-संपत्ति, रुपया-पैसा (3)
3. लौंग, लहर-पीन एक विलक्षणी सरिता (2)
4. सुख देने वाला, सुखदाता (5)
5. टैक्स देने वाला, करदायक (4)
6. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
7. कहीं से काट-छांट करना (4)
12. शारीरिक प्रमाण (3)
13. पराजित होना, शिकस्त खाना (3)
14. घर-गृहस्थी का सामान आदि (4)
15. इस देश का पूर्व में सोवियत लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में जाना जाता था (2)
17. वह खाद्य जिसमें रस लगे हों, खड़ी (2)
18. प्रतिष्ठा, इज्जत, नापने की क्रिया (2)

वर्ग पहेली 5535 का हल

श	मे	व	ज	य	ते		गु
मि	ल	न		म	ह	सू	ल
क	न		ग	ज	रा		फ
	वै	रा	ग		न	सी	म
म	ठ		न	बी		प	
	ना	का	म				गा
क		म	हि	र	न	म	
वि	य	ना		कस		घा	ट

बालाजी ग्रुप ने निकाली धुलेंडी पर्व पर रंगारंग गैर

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महावीर फतेह करे सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की नगरी में धुलेंडी पर्व पर 14 मार्च को 12वी विशाल रंगारंग गैर संतों के सानिध्य में निकाली। गैर में शामिल गुलाल फायटर ने मंदसौर नगर को रंगों से सराबोर कर दिया। इस ऐतिहासिक गैर में नगर के बच्चे, युवा व वृद्धों ने उत्साह से भाग लिया और एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दी। गैर ने ऐसा समां बांधा कि हर चेहरे पर रंग गुलाल नजर आया। बच्चों की परीक्षाओं के मद्देनजर पहली बार निकली डी.जे. रहित गैर की सभी सराहना की।

गैर का शुभारंभ भगवान श्री द्विमुखी गणपति मंदिर में संतगण एवं समाज प्रमुखों द्वारा पूजा अर्चना कर किया गया। यहां पर तीन छत्री बालाजी के महंत रामकिशोरजीदास, चैतन्य आश्रम के मणि महेश चैतन्यजी, पं. दशरथभाई जी, पं. शिवनारायण शर्मा, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, युवा कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, भाजपा नेता भानुप्रतापसिंह सिसौदिया, मुकेश काला, मदनलाल राठौर, अरविन्द सारस्वत, राजेश गुर्जर, गौरव अग्रवाल, पत्रकार ब्रजेश जोशी, नरेन्द्र धनोतिया, सुरेश भावसार, प्रकाश सिसौदिया, समाजसेवी गुरूचरण बग्गा, कन्हैयालाल सोनगरा, पं. दिलीप शर्मा, अर्जुन डाबर, हिम्मत डांगी, रविप्रतापसिंह बुंदेला, प्रकाश पालीवाल, राजाराम तंवर, जितेन्द्र गेहलोत, भूपेश भाटी ने पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द एवं समाजसेवा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले 71 समाजप्रमुखों का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। तत्पश्चात् बैण्ड बाजो व ढोल ढमाकों के साथ गैर का प्रारंभ हुआ। गैर जैसे जैसे आगे बढ़ती हुई युवाओं की टोलियां गैर में शामिल होती गई। शुक्ला चौक पहुंचते हुए गैर ने विशाल रूप ले लिया। बालाजी ग्रुप द्वारा बनाई गई विभिन्न समितियों के मार्गदर्शन में अनुशासनात्मक रूप से निकली इस गैर की हर कोई प्रशंसा कर रहा था। गैर निर्धारित मार्गों से होती हुई भारत माता चौराहा पर पहुंची जहां समापन हुआ। बालाजी ग्रुप के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी ने बताया कि गैर की अगवानी चैतन्य आश्रम के संत श्री मणिमहेश चैतन्य जी म.सा., पं. विष्णु शर्मा ने की। महागैर में वृंदावन का महारास, मंदसौर के ढोल विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे जिनके साथ-साथ युवक भी जमकर थिरके। साथ ही फायर फायटर से रंगों व तोप से फूलों की बरसात की गई। 31 क्विंटल हर्बल गुलाल व 11 क्विंटल फूलों ने गैर मार्ग की सड़कों को रंगों से सरोबार कर दिया। गैर का कई जगह गुलाल, पुष्पवर्षा व स्वल्पाहार से स्वागत किया गया। गैर में अनुशासन बनाये रखने के लिये ग्रुप के 51 कार्यकर्ताओं की टोली भी व्यवस्था बना के रख रही थी। गैर में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं नगरवासी सम्मिलित हुए। सभी का ग्रुप नगर अध्यक्ष गणपत कुमावत ने आभार माना।

राजस्थानी लोक कलाकारों ने जमाया रंग, हुआ सामूहिक होलिका का दहन

नीमच, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर के दशहरा मैदान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गुरुवार रात नीमच सांस्कृतिक उत्सव समिति के द्वारा हर्षोल्लास के साथ सामूहिक होलिका दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्सव समिति द्वारा यह आयोजन विगत 10 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। गुरुवार रात आयोजित कार्यक्रम में रंगारंग ऑर्केस्ट्रा भी आयोजित हुई।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती व युवक कांग्रेस नेता भानुप्रताप सिंह राठौड़ आदि शामिल हुए। कार्यक्रम में कलाकारों ने पारिवारिक माहौल में राजस्थानी संस्कृति में प्रस्तुति दी। इसमें राजस्थानी लोक नृत्य, घूमर, राधा कृष्ण होली नृत्य, कामेडी के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक देशभक्ति गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति दी। जो ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रही, फिल्मी गीतों पर दी गई प्रस्तुतियों ने सभी का मनमोह लिया। जिसके साथ ही रात्रि में सामूहिक रूप से होलिका का दहन किया गया। इस दौरान ओम दीवान, बृजेश मित्तल, राजेश जायसवाल (पराग), धर्मेंद्र परिहार, मनोहर अम्ब, जगदीश पुनर, राकेश अहीर, वैभव अहीर, नितिन हर्सीजा, मीना कुरील, भगत वर्मा, अशोक लोढा, मनीष चांदना सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

तलवार की धार और किलो की नोक पर 351 कलश सिरोधार्य नृत्य को देखकर आश्चर्यचकित हुए दर्शक- नीमच सांस्कृतिक उत्सव समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जब भीलवाड़ा की राजस्थानी लोक कलाकार सोनू सोलंकी द्वारा अपने सिर पर 351 कलश धारण कर तलवार की धार एवं किलो की नोक पर संतुलन बनाकर नृत्य प्रस्तुत किया तो सभी दर्शक हैरत अंगेज प्रदर्शन को देखकर आश्चर्य चकित हो गए थे। वहीं दूसरी और कलाकार गोराना एवं संजना ने जब राधा कृष्ण का होली खेलते हुए सजीव चित्रण प्रस्तुत करते हुए आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया तो सभी दृश्य दर्शन राधा कृष्ण की भक्ति में डुबकियां लगाने लगे। जब और इसके साथ ही जब रानू बेबो संजना अनुष्का बिल्लो रानी ने विभिन्न फिल्मी गीतों के उपर अपने कला की अदाओं के एक्शन के साथ नृत्य प्रस्तुत किया तो दर्शक झूम उठे।

मुक्तिधाम पर नि:स्वार्थ सेवा दे रही निर्मला देवी को मानदेय दिया जाए

पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कलेक्टर मंदसौर को लिखा पत्र

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर के मुक्तिधाम पर पूर्ण समर्पण के

साथ अंतिम संस्कार क्रिया में नि:शुल्क सेवा देने वाली श्रीमती निर्मला देवी जी को स्थाई रूप से मानदेय दिया जाना चाहिए। यह मांग पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने कलेक्टर मंदसौर को लिखे एक पत्र में की है। श्री सिसोदिया ने पत्र में लिखा कि लगभग 12-13 वर्षों से मंदसौर शहर के मुक्तिधाम पर श्रीमती निर्मला देवी मुक्तिधाम पर चिता पर लकड़ी जमाने और चिता के ठंडी होने तक देखरेख करने की समर्पित भाव से सेवाएं दे रही हैं। उन्हें गौरव दिवस के अवसर पर तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नगर के गौरव से सम्मानित भी किया था। परिवार में पति एवं बेटे की मृत्यु के बाद उक्त महिला ने संपूर्ण जीवन मुक्तिधाम पर सेवा व समर्पण देने में लगा रखा है। मेरा आपसे अनुरोध है कि मुक्तिधाम का संचालन कर रही संस्था अन्न क्षेत्र कमेटी या नगर पालिका परिषद को आप निर्देशित करें कि महिला की आजीविका के लिए सम्मानजनक मानदेय दिए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस वर्ष 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आपने भी इस महिला का मान सम्मान किया और इलेक्ट्रॉनिकमीडिया, प्रिंटमीडिया, सोशल मीडिया पर आप स्वयं ने श्रीमती निर्मला देवी की सेवाओं की सराहना की, जो राष्ट्रीय स्तर पर कई चैनलों पर प्रसारित भी हुई।

विजयवर्गीय समाज महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

मनासा, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। विजयवर्गीय(वैश्य) समाज महिला मंडल मनासा की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव 14 मार्च को विजयवर्गीय मांगलिक भवन पर हुए। जिसमें महिला मंडल द्वारा सर्वानुमति से अध्यक्ष पद पर श्रीमती किरण श्याम विजयवर्गीय, उपाध्यक्ष- श्रीमती लक्ष्मी गोपाल विजयवर्गीय, सचिव-श्रीमती गायत्री राकेश विजय वर्गीय, सहसचिव-श्रीमती रूपाली पुष्कर विजयवर्गीय एवं कोषाध्यक्ष हेतु श्रीमती आरती दिनेश विजयवर्गीय चुने गए। नवीन कार्यकारिणी को महिला मंडल सहित वर्तमान कार्यकारिणी ने पुष्पहार के साथ गुलाल लगाकर स्वागत के साथ बधाई दी। महिला मंडल की नव निर्वाचित कार्यकारणी ने निर्विरोध निर्वाचन पर महिला मंडल का आभार माना है।

उज्जैनी अंताक्षरी में चयनित होकर आख़री राउंड तक पहुंचे मंदसौर के गायक रितिक कुमावत

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बता दें कि उज्जैन में आयोजित फ़रवरी से जून तक चलने वाले विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत फ़िल्म अभिनेता एवं एंकर अन्नू कपूर के शो उज्जयिनी अंताक्षरी में दो दिवसीय ऑडिशन के बाद फाइनल तीसरे दिवस मे उज्जैन के फ्रीगंज स्थित टॉवर चौक पर उज्जैन की जनता के समक्ष तीन घंटे तक यह शो को शूट किया गया। उससे पूर्व ऑडिशन हेतु मंदसौर के गायक रितिक कुमावत भी चयनित होकर आखरी राउंड तक पहुंचे!

होली मिलन समारोह आज

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष कैलाश सोनी व सचिव ललित काबरा ने बताया कि दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन का आज 16 मार्च 2025, रविवार को प्रात: 10.30 बजे से दशपुर कुंज, जिला चिकित्सालय के सामने, मंदसौर पर होली मिलन समारोह रखा गया है। एसोसिएशन के सचिव ललित काबरा ने सभी सदस्यों से होली मिलन समारोह में उपस्थित होने का निवेदन किया है।

जिला ब्राह्मण समाज की बैठक आज

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला ब्राह्मण समाज की मासिक बैठक आज 16 मार्च रविवार को रखी गई है। जिला ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष पंडित दिलीप दुबे ने बताया की प्रतिमाह अनुसार इस माह की बैठक कल दिनांक 16 मार्च 2025 रविवार को दोपहर 2 बजे शुक्ला ट्यूटोरियल शिक्षा विभाग परिसर तलाई वाले बालाजी मंदिर के समीप गांधी चौराहा पर रखी गई है जिसमे सभी विप्र बंधु सादर आमंत्रित है बैठक में आगामी पर्व तथा समाज संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की जाएगी।जिसमे सभी विप्र जन पधारकर समाज को दिशा प्रदान करें।

राष्ट्र व सनातन जागरण पर परिचर्चा आज

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संयुक्त आयोजन में 'स्वाभिमान के बीज' विषय पर परिचर्चा का आयोजन दिनांक 16 मार्च 2025, रविवार को प्रात: ठीक 11बजे श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर परिसर, बड़ी होली, किला रोड, कोर्ट परिसर के बाहर, मन्दसौर पर रखी गई है। राष्ट्र व सनातन जागरण के इस पुनीत अभियान में सभी राष्ट्र अनुरागी युवा, महिला एवं पुरुष सादर आमंत्रित हैं।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय एकता नाहर सैयद मेले का हुआ समापन

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा गुरूवार की रात्रि को 48वें राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला में महफिले कव्वाली का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय मेले के अंतिम दिवस नाहर सैय्यद मेला में हजारों लोगों की भीड़ मेला देखने के लिये उमड़ी और उन्होनें सांस्कृतिक रंगंच स्थल पर पहुंचकर महफिले कव्वाली का भी आनन्द लिया। बदायु उत्तरप्रदेश की कव्वाल पार्टी जुनैद सुल्तानी व नागपुर की कव्वाल पार्टी रूबी ताज ने रात्रि 11 बजे से देर रात्रि तक कव्वाली की प्रस्तुति दी जिसे सभी ने सराहा। जुनैद सुल्तानी ने कव्वाली में कव्वाली में हिन्दू मुस्लिम एकता के ऐसे तराने प्रस्तुत किये कि महफिले कव्वाली को सुनने आये श्रोतागण दाद दिये बगैर नहीं रह सके। इसी प्रकार रूबी ताज ने हजरत नाहर सैय्यद बाबा की महिमा बताने वाली कई पंक्तियां गायी जिसे भी खूब सराहना मिली।

महफिले कव्वाली की शुरूआत के पहले नपा परिषद के द्वारा तृतीय दिवस कार्यक्रम में पधारे अतिथिगणों का स्वागत सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, छोटे मियांजी सरकार श्री वकीलउद्दीन साहब, विशेष अतिथि पूर्व नपा सभापति श्री शेहजाद पटेल, समाजसेवी श्री नाहरू भाई मेव इंजीनियर, श्री महेश जुनवाल भी मंचासीन थे। इन सभी अतिथियों का स्वागत नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला समिति सभापति श्रीमती खेरून बी शहजाद पटेल, मेला समिति सदस्यगण श्रीमती बब्बन युसुफ गौरी,गोवर्धन कुमावत, श्रीमती मंजू अनिल मालवीय, श्रीमती कमरूनिशा आरिफ अंसारी, जल कार्य सभापति निलेश जैन, पार्षद श्रीमती रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, कमलेश सिसौदिया, राकेश भावसार, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे आदि के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद आरिफ शाह, समाजसेवी मेहमूद भाई दिपलिया, राजेश सोनी ऐरावाला भी मंचासीन थे। राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने इस अवसर पर कहा कि नपा परिषद ने तीन दिवसीय मेला को सजाने संवारने में खूब मेहनत की है। इसके लिये रमादेवी की पुरी परिषद नपा के अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं मेला समिति बधाई की पात्र है जिस विश्वास से लोग हजरत नाहर सैयद बाबा की दरगाह पर आते है बाबा भी उनकी मुराद पुरी करते है। होली के दिन बाबा का उर्स हिन्दू तिथि से मनाया जाता है, यह हिन्दू मुस्लिम एकता का उदाहरण है जो कहीं देखने को नहीं मिलता है। आपने कहा कि परमात्मा ने हम सभी को मनुष्य रूप में इस संसार में भेजा उन्होंने कोई भेद नहीं किया। भेद हमारी पूजा पद्धति में है पूजा पद्धति का भेद ही हमें अलग-अलग मजहब में बांटता है, हम मजहब से भले ही अलग अलग हो सकते है लेकिन सबसे पहले हम मनुष्य है और हमें मानवता की भावना से आपस में मिलजुलकर रहना है। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा कि नपा की मेला समिति व कर्मचारियों ने मेला के आयोजन में जो योगदान दिया वह सराहनीय है। पूर्व नपा सभापति श्री शेहजाद पटेल ने कहा कि मेला का आयोजन आपसी भाईचरे व प्रेम की भावना को बढ़ाने का काम करता है इसलिये हर वर्ष नपा मेला का आयोजन इतना भव्य रूप से करती है कि ताकि मंदसौर में आपसी भाईचारे की जो भावना है वह बनी रहे। संचालन चन्द्रशेखर नागदा ने किया।

मोक्ष रथ/स्वर्ग रथ समर्पित- विधायक अनिरूद्ध माधव मारू ने 'जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता है। नगर परिषद मनासा को विधायक कार्यालय पर मोक्ष रथ/स्वर्ग रथ समर्पित किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष विजय शर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय तिवारी, उपाध्यक्ष किशोर जोलान्या, पार्षदगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

फुलों व रंग-गुलाल से सराबोर रही नीमच की सड़के

नीमच, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। होली उत्सव समिति द्वारा शुक्रवार को रंगो के पर्व होली हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी होली उत्सव समिति नीमच के तत्वावधान में 18 वीं परंपरागत रंग रंगीली गैर का आयोजन होली पर्व पर किया गया। अग्रवाल पंचायत भवन बारादरी से होली की गैर ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की धुन पर प्रारंभ हुई जो नीमच शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए फोर जीरो चौराहे पर समाप्त हुई। इस दौरान गैर में सजीव झांकी भगवान भोलेनाथ की झांकी व नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा, होली उत्सव समिति के द्वारा होली उत्सव पर नीमच शहर की प्राचीन परंपरानुसार शक्रवार को होली के अवसर पर अग्रवाल पंचायत भवन बारादरी से होली की रंगारंग गैर निकाली गई। होली की गैर बारादरी चौराहा से प्रारंभ होकर नया बाजार, घंटाघर, तिलक मार्ग, पुस्तक बाजार होते हुए 40 नंबर पर समाप्त हुई। गुलाल उड़ाने के लिए विशेष पंप मशीन का उपयोग किया गया।

इस गैर में डीजे बैंड बाजे ढोल शामिल थे ढोल की थाप पर शहर के युवा बुजुर्ग व गणमान्य नागरिक नृत्य करते हुए चल रहे थे, डीजे और बेंड पर होली के मधुर गाने बज रहे थे वही इस बार होली थे गेर में प्रयागराज कुंभ त्रिवेणी गंगा जमुना सरस्वती स्नान की झांकी ने दर्शकों का मन मोह लिया, वही समिति के सदस्य भी साधु-संतों के परिधानों में गेर में शामिल रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम में गोविंद गोयल, महेश गर्ग ,प्रवीण शर्मा ,शिव माहेश्वरी ,गिरधारी लाल गोयल ,शरद जैन, वीरेंद्र जायसवाल, राजेश जायसवाल पराग, कमलेश जायसवाल, बृजेश सक्सेना, रमेश जायसवाल, बृजेश मित्तल सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।विधायक दिलीप सिंह परिहार भी अपनी टीम के साथ गैर में शामिल हुए और ढोलकी थाप पर ठमके लगाए.इसके साथ ही होली के मनभावन गीतों के साथ ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की धुन पर युवाओं की टीम पंजाबी ढोल की मदमस्त थाप व सतरंगी पोशाकों में उल्लासित युवाओं की टोली आदि प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे तथा ढोल और बैंड पर झूमते रंग बिरंगे रंगों से रंगे लोगों ने अबीर व गुलाल उड़ाई वही युवा डोल की थाप पर थिरक रहे थे ऐसे में हर कोई होली खेलने के साथ ढोल पर झूमते मस्ती के रंग में रंगे नजर आए। बतादें कि होली उत्सव समिति द्वारा करीबन 11 वर्षों से रंग रंगीली गैर निकाली जा रही है।

त्रिवेणी कुंभ स्नान की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र- होली उत्सव समिति द्वारा ट्रैक्टर में गंगा जमुना सरस्वती त्रिवेणी की एक कृत्रिम संगम का दृश्य सजीव झांकी के रूप में सजाया गया। त्रिवेणी संगम में तैरता हुआ शिवलिंग बनाया गया।पंच ऋषियों द्वारा पूजा अर्चना करते हुए दिखाया गया। प्रयागराज कुंभ में रुद्राक्ष की माला बेचती मोनालिसा, पंजाबी ढोल की थाप पर नाचते युवकों की टोली सतरंगी गुलाल की आंधी और रंगों की बयार के बीच मिकी माउस जोकर द्वारा लुभावने नृत्य और होली की मस्त-मस्त बहार सदाबहार गीतों पर नृत्य करते हुए नागरीकगण और होली की गैर प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे। शंकर का अभिनय कलाकार जोगेंद्र राव का चीताखेड़ा, मोनालिसा का अभिनय मनीष राव(लखन राव) ने अभिनय प्रस्तुत किया। सारथी का अभिनय दिलीप शर्मा ने निभाया।

एक राष्ट्र-एक चुनाव......

जब देखो मतदान, बार-बार मतदान से देश का होता है नुकसान

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। संपूर्ण विश्व में सबसे अधिक चुनाव भारत में होते हैं तथा कोई न कोई चुनाव आते ही रहते हैं। हमारे भारत में चुनाव आयोग के पास वर्ष में 365 दिन चुनाव का काम रहता है, जिसके कारण जो पैसा राष्ट्र के विकास पर खर्च होना चाहिए, वह चुनाव में ही व्यर्थ हो जाता है। इसलिए वन नेशन-वन इलेक्शन आखिर कैसे करेगा काम? क्या होगी इसकी रूपरेखा, जानें, इसके फायदे और नुकसान। देश में एक बार फिर 'वन नेशन-वन इलेक्शन' की चर्चा जोरों पर है। मोदी कैबिनेट ने वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आइए जानते हैं क्या है 'वन नेशन-वन इलेक्शन' और इसके लागू होने से क्या फायदे और नुकसान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश से किया एक और वादा पूरा कर दिया है। मोदी कैबिनेट ने वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, तो इसके तहत लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। सरकार संसद के शीतकालीन सत्र यानी नवंबर-दिसंबर में इस बारे में बिल पेश करेगी। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ

कोविंद के नेतृत्व वाली कमेटी ने इस पर मार्च में ही अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि पहले चरण में लोकसभा और राज्यसभा चुनाव को एक साथ कराना चाहिए। कमेटी ने सिफारिश की थी कि, लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ संपन्न होने के 100 दिन के भीतर ही स्थानीय निकाय चुनाव हो जाने चाहिए। क्या है 'वन नेशन-वन इलेक्शन' का कॉन्सेप्ट?

वन नेशन-वन इलेक्शन का मतलब है कि भारत में लोकसभा और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं। साथ ही स्थानीय निकायों के चुनाव भी एक ही दिन या एक तय समय सीमा में कराए जाएं। पीएम मोदी लंबे समय से वन नेशन वन इलेक्शन की वकालत करते आए हैं। उन्होंने कहा था कि चुनाव सिर्फ तीन या चार महीने के लिए होने चाहिए, पूरे 5 साल राजनीति नहीं होनी चाहिए। साथ ही चुनावों में खर्च कम हो और प्रशासनिक मशीनरी पर बोझ न बढ़े।

आजादी के बाद एक साथ हो चुके हैं चुनाव- भारत के लिए यह कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है देश में आजादी के बाद से 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए गए थे। 1952, 1957, 1962 और 1967 में दोनों चुनाव एक साथ हुए थे, लेकिन राज्यों के पुनर्गठन और अन्य कारणों से एवं कांग्रेस की चुनावी राजनीति के स्वार्थ से अलग-अलग समय पर होने लगे।

एक देश एक चुनाव को मोदी सरकार क्यों जरूरी मानती है, इसे समझिए- इससे जनता को बार-बार के चुनाव से मुक्ति मिलेगी। चुनावी खर्च बचेगा और वोटिंग परसेंट में बढ़ोतरी होगी। हर बार चुनाव कराने पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, यह रुपया देश के विकास में लगाया जा सकता हैं। इसके अलावा देश में राजनीतिक स्थिरता लाने में ये अहम भूमिका निभा सकता है। बार-बार इलेक्शन की वजह से बार बार नीतियों में बदलाव की चुनौती कम होगी। सरकारें सदैव चुनावी मोड में जाने की बजाय विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। प्रशासन को भी इसका फायदा मिलेगा, गवर्नेंर्स पर ज्यादा ध्यान देकर मुझे काम करने के लिए समय बढ़ेगा। पॉलिसी और आचार संहिता जैसी स्थिति से छुटकारा मिलेगा।अधिकारियों का समय और एनर्जी बचेगी। इसका बड़ा आर्थिक फायदा भी है, सरकारी खजाने पर

बोझ कम होगा और आर्थिक विकास में तेजी आएगी। पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने पहले ही कदम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की तथा इसके बाद 100 दिनों के भीतर एक साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने की सिफारिश की थी। इस समिति ने अपनी सिफारिशों में कहा कि- त्रिशंकु स्थिति या अविश्वास प्रस्ताव या ऐसी किसी स्थिति में नयी लोकसभा के गठन के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं। समिति ने कहा कि- लोकसभा के लिए जब नये चुनाव होते हैं, तो उस सदन का कार्यकाल ठीक पहले की लोकसभा के कार्यकाल के शेष समय के लिए ही होगा। जब राज्य विधानसभाओं के लिए नए चुनाव होते हैं, तो ऐसी नयी विधानसभाओं का कार्यकाल (अगर जल्दी भंग नहीं हो जाएं) लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल तक रहेगा। समिति ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था लागू करने के लिए, संविधान के अनुच्छेद 83 (संसद के सदनों की अवधि) और अनुच्छेद 172 (राज्य विधानमंडलों की अवधि) में संशोधन की आवश्यकता होगी। समिति ने कहा, 'इस संवैधानिक संशोधन की राज्यों द्वारा पुष्टि किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।' उसने यह भी सिफारिश की कि भारत निर्वाचन आयोग, राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से एकल मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करना होगा। समिति ने कहा कि- इस उद्देश्य के लिए मतदाता सूची से संबंधित अनुच्छेद 325 को संशोधित किया जा सकता है।

रमेशचंद्र चंद्रे, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	32	2280	2326
उड़द	15	5500	5899
सोयाबीन	1363	3401	4120
गैहु	9836	2280	2750
चना	440	4465	5326
मसुर	93	5501	5711
धनिया	296	4501	7701
लहसुन	14000	4000	5500
मैथी	745	3900	5686
मुंगफली	322	4001	4880
अलसी	550	5500	5921
सरसो	258	5150	5400
तारामीरा	1	4726	4726
इसबगोल	26	8200	12400
प्याज	690	500	1314
कलोंजी	4	10818	16181
तुलसी बीज	000	0000	0000
डॉलर	12	6980	7671
तिल्ली	3	7702	7702
जौ	15	2100	2100
मटरसुखी	6	3581	3700
असालीया	30	5302	5951
चियाबीज	31	10001	13051

कलेक्टर ने अपना घर की बालिकाओं के साथ होली खेली

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने सह-परिवार कलेक्टर निवास पर अपना घर की बालिकाओं के साथ होली मनाई। होली की शुभकामनाओं दी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

परोपकारी व धर्मपरायण स्व. श्रीमती तोमर की अंतिम यात्रा में दी श्रद्धांजलि

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। परोपकारी, धर्मपरायण ग्रहणी श्रीमती शांति देवी तोमर का लंबी बीमारी के चलते शुक्रवार को निधन हो गया। वे पिछले आठ माह से बीमार चल रही थी। वह सेवानिवृत जिला आयुष अधिकारी कैलासवासी डॉ लालसिंह तोमर की धर्मपत्नी एवं शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं जितेन्द्र सिंह तोमर की माता जी थी। उनका अंतिम संस्कार कण्डों, चन्दन, नीम की लकडी से किया गया। शनिवार प्रात: 9 बजे उनके भागवत नगर मंदसौर स्थित निज निवास से निकली अंतिम यात्रा में राजनितिकगण, समाज सेवी, अभिभाषकगण, व कई जानी मानी हस्तीयों सहित परिवारजन स्नेहीजन शामिल हुए। श्रीमती तोमर कांग्रेस विचारधारा से ओत प्रोत थी। जिला कांग्रेस की ओर से श्रीमती शांति देवी तोमर को पार्टी का ध्वज भेंट कर उन्हें अंतिम बिदाई दी गई। मुक्तिधाम पर उनके पुत्रगण डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, जितेंद्रसिंह तोमर पोते अनुज प्रतापसिंह, भतीजे देवेन्द्र सिंह, जयप्रकाश सिंह, नाती मोनू, अक्षय, सूरज ने उन्हें मुखाग्नि दी।

मुक्तिधाम पर शोक सभा में अनेक जानीमानी राजनितिक हस्तियों और समाजसेवीयों ने श्रद्धांजलि दी। जिसमें सर्वश्री जिला कांग्रेस के अध्यक्ष व विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, मंदसोर जावरा लोकसभा से प्रत्याशी रहे दिलीप सिंह गुर्जर, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, मनजीत सिंह टुटेजा, प्रदेश कांग्रेस सचिव महेंद्र सिंह गुर्जर, सोमिल नाहटा, राजपूत समाज के एम पी सिंह परिहार, भाजपा नेता अजय सिंह चौहान, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा, मंदसोर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रघुवीर सिंह पवार, समाजसेवी सुनील बंसल, ग्वाला समाज के अध्यक्ष अनिल मसानिया, जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष पुष्पराज सिंह राणा, अभिभाषकगण में सर्वश्री कांतिलाल राठौर, युसूफ खेडीवाला, राजकुमार सिंह देवड़ा, पुखराज दशोरा, सुनील शर्मा, जयदेव सिंह चौहान, प्रवीण जैन, विश्वनाथ सोनी, भेरुलाल कुमावत, दिनेश प्रजापत, देवेंद्र मरचया, राजू रेकवार, दिलीप देवड़ा, विनोद शर्मा, अजय सिखवाल, शैलेंद्र जोशी, पंकज जोशी, सत्येंद्र सिंह सोम, जगदीश राठौर, हरीश सेंगर, कॉन्ग्रेस नेताओं में सर्वश्री रविंद्र सिंह राका, तरुण खींची, राजनारायण लाड़, राजेंद्र छाजेड़, सुरेश शर्मा, सुरेंद्र कुमावत, राजेंद्र सेठिया, विकास दशोरा, किशोर गोयल राजेश फरक्या, आमीन खान, नियाज अहमद, वरुण भारती, राजेश बंधवार, सुनील बसेर, महेश गुप्ता, अजय सोनी, राजेश फरक्या, विजेश मालेचा, वहिद जैदी, निर्मल बसेर, राजीव गुलाटी, राजेंद्र सेठिया, सुदीप पाटिल, जितेन सोपरा, वरुण भारतीय, नियाज़ अहमद, किशोर गोयल, सुरेश भाटी, कमलेश सोनी, सम्यक जैन, मिथुन कटारिया, प्रीतम पंचोली, सुदर्शन सिंह शक्तावत, दशरथ सिंह राठोर, सुदर्शन सिंह शक्तावत, शुभम कुमावत, नीतेश सतीदासानी, रवि जैन, आमिर खान, रमेश ब्रिजवानी, संजना नाहर, आशीष जैन, नितिन जेन पत्रकार गण में सर्वश्री कोमल सिंह तोमर, नेमीचंद राठोर, नरेंद्र धनोतिया, आशुतोष नवाल, मनीष पुरोहित, शैलेंद्र सिंह राठोर, राजेश पाठक साथी इस शवयात्रा में पंडित रमेशचंद्र चन्द्रे, पंडित गोपाल पंचारिया, बालू सिंह, पंडित संतोष पुरोहित, हनुमंत सिंह राणावत, संजय राठौर, गणेश सोनगरा, विष्णु कश्यप, सत्य प्रकाश गर्ग, दिलीप नागदा, महेश मोदी, हुकुमचंद पंवार, नरेंद्र बंधवार आदि इस शवयात्रा में शामिल हुए साथ ही मुक्तिधाम स्थल पर शोक सभा का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री अजय लोढा ने किया।

श्रीमती तोमर के निधन पर कांग्रेस नेताओं ने शोक व्यक्त किया–श्रीमती शान्ति देवी तोमर के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री कलमनाथ, श्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी श्री हरीश चौधरी, नोबेल सम्मान प्राप्त श्री कैलाश सत्यार्थी, पूर्व सांसद श्री रामेश्वर नीखरा, सुश्री मीनाक्षी नटराजन, पूर्व मंत्रीगण श्री नरेन्द्र नाहटा, श्री सुभाष कुमार सोजतिया, श्री बाला बचन, श्री सज्जनसिंह वर्मा, लोकसभा प्रत्याशी श्री दिलीप सिंह गुर्जर, विधायक श्री विपिन जैन, जयवर्धनसिंह, महेश परमार, पूर्व विधायकगण श्री नवकृष्ण पाटिल, श्रीमती पुष्पा भारतीय, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रकाश रातडिया आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

सीएम राइज की छात्रा कुमकुम बोराना ने कक्षा 11 वीं में पाया प्रथम स्थान

मनासा, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस।

नगर के सीएम राइज स्कूल की छात्रा कुमकुम पिता दिलीप बोराना ने कक्षा 11 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल की छात्रा ने कक्षा 11 वीं के परीक्षा परिणाम में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय व परिवार का नाम रोशन किया। छात्रा की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों व परिजनों ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्राणिकी एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा पीएचई की जल परीक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण किया

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने बताया कि महाविद्यालय के प्राणिकी एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा एमएससी एवं बीएससी के विद्यार्थियों को लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग की जिला स्तरीय जल परीक्षण प्रयोगशाला मंदसौर का भ्रमण कराया गया ! यह भ्रमण महाविद्यालय के प्राचार्य और संरक्षक डॉ. जे. एस. दुबे के मार्गदर्शन सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ !

प्राणिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संदीप सोनगरा ने विद्यार्थियों को इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए प्रोत्साहित किया साथ ही बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ बरोड़ा ने विद्यार्थियों को शुद्ध जल क्यों अनिवार्य है एवं कैसे हम अपने घरों में जल परीक्षण किट के माध्यम से जल परीक्षण कर किस प्रकार जल की अशुद्धियों को पहचाना जाए एवं गांव के आम जनों को जागरूक किया जाए जिला प्रभारी एच. एम. सांखला ने विद्यार्थीयों को विभिन्न प्रकार के जल परीक्षण एवं उसके व्यापक पैरामीटर के बारे में बताया साथ ही दूषित जल से होने वाली बीमारियों व दुष्परिणामों के बारे में बताया जिसमें महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया लगभग 10 से अधिक प्रकार के विभिन्न जल परीक्षण जैसे जल का पीएच, क्लोरीन, क्लोराइड, आयरन, नाइट्रेट, टर्बीडिटी एवं अमोनिया टेस्ट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर स्वयं विद्यार्थियों ने परीक्षण किए !

उपरोक्त शैक्षणिक भ्रमण मैं विभाग के निम्न प्राध्यापकों ने सहयोग करा डॉ शिखा ओझा, प्रो. प्रकाश दास, प्रो. चीना मिंडा, प्रो कुंदन माली, श्री दिनेश पंवार श्री अशोक नागौरे !

रंगपंचमी पर्व 19 को शुष्क दिवस घोषित

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24(1) में प्रदत्त शक्तियों के तहत मंदसौर जिले में रंगपंचमी पर्व के अवसर परकानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत 19 मार्च 2025 को मंदसौर जिले की समस्त कम्पोजिटमदिरा दुकाने, शॉपबार, गोदाम, मद्य भण्डारगार एवं एफ.एल-2, एल. एल -3 बार, एफ.एल-2(क)(क), एम्पी वाईन शॉप सायं 4 बजे तक बंद रहेगी। उक्त अवधि को शुष्क दिवस घोषितकिया गया हैं।

मुखिया की उपस्थिति में स्वयं अपना डोडा तोड़ कर मुखिया को वजन दर्ज कराने संबंधी आदेश जारी करे-विधायक जैन

विधायक जैन ने अफीम काश्तकारों की समस्या के निदान के लिये लिखा आयुक्त को पत्र

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। किसानों के हित के लिये सदैव प्रयत्नशील जागरूक विधायक श्री विपिन जैन ने उप नारकोटिक्स नीमच के आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि किसानों को यह अधिकार दिये जाये कि वह मुखिया की उपस्थिति में स्वयं अपना डोडा तोड़कर मुखीया को वजन दर्ज कराने संबंधी आदेश जारी करने की बात कही है।

मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने कहा कि विधायक श्री जैन ने अफीम कास्तकारों की समस्या को लेकर चिंता जाहिर की है तथा आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि वर्तमान समय में अफिम कि फसल पक कर तैयार है और गत वर्ष आपके विभाग ने आदेश जारी किया था जिसके अन्दर सीपीएस पद्धती के लिए लाईसेंस (पट्टा) धारको को गतवर्ष अनुसार इस वर्ष भी तय माप के अनुसार किसान स्वयं अपना डोडा तोडकर मुखीया को वजन दर्ज कराये क्योकि जब तक किसान का डोडा टूटता नहीं है तब तक उसे उसकी रखवाली करना पड़ती है एवं विभाग कि टीम समय पर नहीं पहुंच पाती है जिससे किसानो को डोडे कि चोरी का भय बना रहता है। इसलिये गतवर्ष अनुसार किसानों को यह अधिकार दिये जाये कि वह मुखिया कि उपस्थिति में स्वयं अपना डोडा तोड कर मुखिया को वजन दर्ज कराये इस संबंध मे शीघ्र आदेश जारी करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

समर्थन मूल्य पर फसल चना, मसूर, सरसों उपज उपार्जन के लिये किसान पंजीयन की अंतिम तिथि कल

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग जिला मन्दसौर द्वारा बताया गया कि, रबी मौसम वर्ष 2024-25 (विपणन वर्ष 2025-26) में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर, सरसों के उपार्जन के लिये पंजीयन की अंतिम तिथि 10 मार्च तक थी, पंजीयन दिनांक 17 मार्च तक बढ़ा दी गई है। समर्थन मूल्य पर दिनांक 25 मार्च से उपार्जन प्रारंभ किया जाएगा। अत: सरसों, बना, मसूर फसल उगाने वाले कृषकों को सूचित किया जाता है कि सरसों चना, मसूर के उपार्जन हेतु तत्काल पंजीयन कराएं।

कृषक स्वयं के मोबाईल से निर्धारित लिंक www.mp euparjan .nic.in पर, एम.पी. ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केन्द्र या अपनी नजदीकी पंजीयन केन्द्र (सहकारी समिति) पर जाकर पंजीयन कराएं। पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेज भूमि संबंधित दस्तावेज-बी1/पावती, किसान का आधार कार्ड, बैंक खाते से पंजीकृत मोबाईल नंबर, बैंक पासबुक एवं अन्य फोटो पहचान पत्र तथा सिकमीधारी/बटाईदार एवं वन पट्टाधारी अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्र (सहकारी समिति) पर जाकर पंजीयन कराएं। उपार्जन की सीमा एवं समर्थन मूल्य-सरसों का उपार्जन 20 क्विंटल / हेक्टर एवं समर्थन मूल्य 5950 रू./क्विं. चना का उपार्जन 20 क्विंटल / हेक्टर एवं समर्थन मूल्य 5650 रू./क्विं. मसूर का उपार्जन 11 क्विंटल / हेक्टर एवं समर्थन मूल्य 6700 रू./क्विं.है। चना, मसूर, सरसों की खरीदी एक किसान से अधिकतम 100 क्विंटल की जा सकेगी।

कार ने मारी कार को पीछे से टक्कर, दो महिलाएं घायल

पिपलियामंडी, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कार ने कार को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे दो महिलाएं घायल हो गई। लाखिया (रतलाम) निवासी शांतिलाल पिता लालू भील ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि वह कार (डीएल 10 सीके 8345) से केली (राजस्थान) जा रहे थे, इसी दौरान मल्हारगढ बस स्टेण्ड पर पीछे से आ रही कार (एमपी 13 जेडजी 8969) के ड्राइवर ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे मेरी पत्नी अमरीबाई व गंगाबाई को मूह व सिर पर चोंटे आई। पुलिस ने कार ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

विवाद में पीटा

पिपलियामंडी, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ससुराल के विवाद को लेकर मारपीट के मामले में पुलिस ने भाई सहित 4 पर केस दर्ज किया। ईरली निवासी रणजीतसिंह पिता रामसिंह चोहान ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि बडे भाई नाथूसिंह ने मुझे बुलाया और बोला कि पौत्री पूजा के ससुराल के विवाद को निपटाने की बोला। मैंने आपस का मामला बताकर मना किया तो नाथूसिंह के साथ ही अर्जुनसिंह चोहान, सोहनबाई चोहान ने गाली-गलौज कर मारपीट की।

विद्युत पंप चोरी का आरोपी गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कुए से विद्युत पंप चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी को पकड़ा। जानकारी के अनुसार बरखेड़ा जयसिंह निवासी शांतिलाल श्रीमल ने कुए से तीन हार्स पावर का विद्युत पंप केबल सहित चोरी होने की शिकायत पिपलियामंडी पुलिस थाने पर दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले में बरदल निवासी पिन्टू राजपूत को पकड़ा, मोटर व केबल जब्त की।

ट्रेलर के पीछे घुसी बाइक, दो घायल

पिपलियामंडी, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शराब ठेके के सामने में ट्रेलर ड्राइवर द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से बाइक सवार पीछे घुस गया। बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। जिन्हें मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात्रि बोरखेड़ी जावरा निवासी अर्जुन पिता कारुलाल मोगिया व कान्हा पिता सुरेश मोगिया बाइक से सोकडी जा रहे थे, इसी दौरान फोरलेन पर पिपलिया चौपाटी से आगे अंग्रेजी शराब दुकान के सामने ट्रेलर राजे 01 जीसी 3131 के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। बाइक सवार दोनों युवक टकराकर गंभीर घायल हो गए। जिन्हें मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया। सोकडी निवासी बबलू मोगिया की रिपोर्ट पर पिपलियामंडी पुलिस ने ट्रेलर ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

सीटीसी नीमच में होली मिलन समारोह संपन्न

नीमच, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रंगों का जीवंत त्योहार होली अपने साथ खुशी, सौहार्द और नवीनीकरण की भावना लेकर आ रहा है। यह शुभ अवसर वसंत के आगमन और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, जो हमारे दिलों को गर्म जोशी और उत्साह से भर देता है। इस अवसर पर गुरुवार को सीटीसी सीआरपीएफ मंदिर प्रांगण में श्रीमती रजनी दत्ता (कावा अध्यक्ष सीटीसी नीमच) द्वारा सभी अधिकारियों एवं जवानों के परिवार जनों के साथ होली मिलन समारोह बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। सीआरपीएफ कैंप निवासरत सभी परिवार जनों ने इस महोत्सव पर नृत्य गान तथा रंगारंग कार्यक्रम किए।

उठावना/शोक निवारण

मेरे अनुज सुधीर (मामा) भंडारी की पुत्रवधु, अवि एवं अभिषेक की भाभीजी, हर्षित की धर्मसहायिका श्रीमती श्वेता एवं सुपुत्र मिर्थ भंडारी का आकस्मिक निधन दिनांक 14/03/25 शुक्रवार को हो गया है। जिनका उठावना कल दिनांक 16/03/25 रविवार को प्रात: 10:30 बजे एवं शोक निवारण प्रात: 11:30 बजे पोरवाल धर्मशाला पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

विजय कुमार सुधीर कुमार भंडारी, भंडारी परिवार पिपलिया मंडी जिला मंदसौर

मां-बेटे का एक साथ हुआ अंतिम संस्कार, कार का उदयपुर के निकट हुआ एक्सीडेंट

पिपलियामंडी, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर में भाजपा नेता की पुत्रवधू व पौत्र का एक साथ अंतिम संस्कार हुआ। अंतिम बिदाई में हर आंख नम हो गई। उदयपुर के निकट सडक हादसे में शुक्रवार को दोनों की मृत्यु हो गई थी। जानकारी के अनुसार नगर के भाजपा नेता सुधीर मामा के बडे बेटे हर्षित जैन (28) पत्नी श्वेता (25) व 2 वर्षीय बेटे मिर्थ के साथ आई 10 कार से श्रीनाथजी दर्शन के लिए निकले थे। प्रात: नौ बजे करीब उदयपुर डबोक देबारी गांव के पास हाइवे पर कार डिवाइडर से टकराकर पलटी खा गई। घटना में हर्षित जैन गंभीर रूप से घायल हो गया। पत्नी श्वेता जैन की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घायल हर्षित व उनके 2 वर्षीय बेटे को अस्पताल भर्ती कराया जहाँ दो वर्षीय बेटे ने भी दम तोड दिया। हर्षित के सिर, कमर व पैर में चोंट आई है, इलाज के बाद उनकी हालत खतरे से बाहर है, हादसे की खबर से नगर में शोक है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इलेक्ट्रीक व्हीकल कंपनी संचालक है हर्षित, पत्नी थी निजी कंपनी में सीएस:–भाजपा नेता सुधीर जैन के तीन बेटे हर्षित, अभिषेक व अवि है। दुर्घटना में घायल हर्षित नीमच के निकट इलेक्ट्रीक व्हीकल कंपनी का संचालन करता है। वहीं मृत पत्नी निजी कंपनी में सीएस थी।

कायस्थ समाज आज यम द्वितीया का पर्व मनाएगा

मंदसौर, 15 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आज 16 मार्च, रविवार को कायस्थ समाज यम द्वितीया का पर्व मनाएगा। चेत्र की दूज के दिन यम द्वितीया का पर्व है। आज परब्रह्म भगवान श्री चित्रगुप्तजी का अभिषेक, कलम दवात पूजन एवं कथा कार्यक्रम भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर चक्रवर्ती कॉलोनी, स्टेशन रोड़, मंदसौर पर आयोजित होगा।

कायस्थ समाज मंदसौर के अध्यक्ष शैलेन्द्र माथुर ने बताया कि आज रविवार को सायं 4.30 बजे भगवान श्री चित्रगुप्तजी का अभिषेक, सायं 6.15 बजे कलम दवात पूजन एवं कथा, सायं 7.15 बजे आरती आयोजित होगी। सभी समाज बन्धुओं से अपील है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित होवे।

मंडी में आतंक का पर्याय बनी... पेज 1 से जारी

गई हैं। 10 मिनिट बाद रेखा का भाई उसे देखने मंदिर गया तो रेखा नहीं दिखी। फिर आसपास के क्षेत्रों में चेक किया तो कहीं अता-पता नहीं चला। फिर वायडी नगर थाने पर जाकर रिपोर्ट दर्ज करवाई।

उक्त महिला 11 फ़रवरी से गायब हैं। लेकिन, आज दिन तक पुलिस नें कोई खोजबीन नहीं क़ी। वही रेखा के पिता और भाई का कहना हैं क़ी रेखा क़ो मुल्तानपूरा का शाहरुख़ अगवा करके ले गया हैं। बताया गया है कि शाहरुख़ के पहली पत्नी से 3 बच्चें हैं और उसक़ी पत्नी उसके साथ नहीं रहती हैं। वह अपने मायके रहती हैं और बच्चें शाहरुख़ के साथ रहते हैं। महिला क़ो शाहरुख़ अगवा करके ले गया हैं। शाहरुख़ के संबंध में रेखा के परिजनो नें पुलिस क़ो इंस्टाग्राम और अन्य जानकारी भी दी हैं। लेकिन, पुलिस नें इस मामले क़ो अभी तक सीरियस नहीं लिया हैं और पुलिस सीरियस भी क्यों ले? उन्हें डोडाचुरा, एमडी और दूसरे मामलो से फुरसत मिले तब तो ओरिजनल पुलिसिंग करें। जनचर्चा है कि बिना रारनीतिक प्रेशर के पुलिस इन दिनो गरीबो क़ी बिलकुल नहीं सुनती। चाहे न्याय क़ी चाह में आदमी मर हीं क्यों न जाये। पुलिस बस पीड़ित परिवार क़ो चककर कटा रही हैं।

कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी, रतलाम (मप्र)

क्रमांक/ मंदसौर दिनांक

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी श्री बंशीलाल मीना पिता कारुलाल मीना निवासी ग्राम उमरिया बालोदा, तहसील शामगढ़, जिला मंदसौर की मृत्यु दिनांक 15.08.2023 को हो चुकी है और इनकी पत्नि की भी मृत्यु पूर्व में दिनांक 19.12.2010 को हो चुकी है। इनके ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 43 एबी 2691 को इनके पुत्र लालसिंह ने अपने नाम पर अंतर्गण दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

इस प्रकाशन अवधि के सात दिवस में यदि किसी को आपत्ति हो तो इसे कार्यालय में प्रस्तुत करें। इसके पश्चात उक्त ट्रेक्टर को श्री लालसिंह पिता बंशीलाल के नाम अंतरण कर दिया जावेगा।

इति दिनांक-15.03.2025

जिला परिवहन अधिकारी, रतलाम (मप्र)

पुष्पांजली/श्रद्धांजली कार्यक्रम

कैलासवासी ठाकुर साहब श्री मेघसिंह जी तोमर ठिकाना खोड़ की पुत्रवधू, सेवानिवृत जिला आयुष अधिकारी कैलाशवासी ठाकुर साहब डॉ लालसिंह जी तोमर की धर्मपत्नी, शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, डॉ जितेंद्रसिंह तोमर, कृष्णा, कुसुम, रजनी की माता जी, ठाकुर सूरतरामसिंह, आशारामसिंह, शिवरामसिंह, रामरूपसिंह, रामचरण सिंह के बड़े भाभीसाहब, स्व.ठाकुर रणजीतसिंह सिकरवार, ठाकुर रामनिवास सिंह जादौन, कुंवर राजेशसिंह धाकरे, महिला कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष बबीता सिंह तोमर की सासूजी अनुजप्रतापसिंह, खुशी, आरुषि एवं अयांशी की दादी साहब, देवेंद्रसिंह, राधामोहनसिंह, जयप्रकाशसिंह, भोलेसिंह, मोहनसिंह, मुनेद्रसिंह, अतुलसिंह, टिंकू, रिंकू, पिंकू की बड़ी मम्मी, मोनू, अक्षय, सूरज की नानी साहब, इंजीनियर मुकेशसिंह तोमर ग्वालियर, मनोजसिंह जादौन, राकेशसिंह, संतोषसिंह हाथरस की मौसी जी श्रीमती शांतीदेवी जी तोमर का आज दिनांक 14 मार्च 2025 देवलोक गमन हो गया है। उनकी पुष्पांजली/श्रद्धांजली दिनांक 16/03/2025 रविवार को प्रात: 11 बजे गरबा उद्यान भागवत नगर मंदसौर पर होगी।

नोट – शोक बैठक प्रतिदिन निज निवास भागवत नगर मंदसौर पर रहेगी।

✻✻✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻✻✻

तोमर परिवार मंदसौर, मुरैना, ग्वालियर

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

रविवार 16 मार्च को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरीर पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 127/2025 दिनांक 12.03.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा रामसुखबाई पति मोतीसिंह, निवासी-ग्राम-पानपुर, तहसील व जिला-मन्दसौर से आवासीय भूखंड जो भूमि सर्वे क्रमांक 356/1(बी), भूखंड नं. 312(पी), पटवारी हल्का नं. 00089 पर दर्ज होकर, पता-ग्राम-पानपुर तहसील व जिला मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. MP15IGR17852025100146796, दिनांक 11.03.2025 से मेरे पक्षकार भगवतसिंह पिता मेहताबसिंह, निवासी ग्राम पानपुर, तहसील व जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मन्दसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-नारायणसिंह, पश्चिम में-हुसैन खान का मकान, उत्तर में-स्वयं की भूमि, दक्षिण में-रास्ता, पैमाईश रकबा 117 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITES, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 129/2025 दिनांक 15.03.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा बजरंग पिता रामरतन, जाति-सुथार, निवासी-ग्राम-गुराडिया देदा, तहसील व जिला-मन्दसौर से आवासीय मकान जो भूमि सर्वे क्रमांक 295/1 (बी), भूखंड नं. 767 (पी). पटवारी हल्का नं. 00003 पर दर्ज होकर, पता-ग्राम-गुराडिया देदा, तहसील व जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. MP15IGR17852025100149561, दिनांक 13.03.2025 से मेरे पक्षकार लीलाबाई पति बजरंग सुथार, निवासी-ग्राम-गुराडिया देदा, तहसील व जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मन्दसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:-

पूर्व में- राधेश्याम पाटीदार का मकान, पश्चिम में-कपिल पाटीदार का मकान, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में-कमल पाटीदार की भूमि, पैमाईश रकबा 111 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in